

हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों ने कूड़ा उठाने का विरोध किया, अधिकारी पर कूड़ा फेंकने का आरोप

पुलिस बल के बीच जेसीबी से उठाया कूड़ा, 28 हिरासत में

विरोध के दौरान स्थिति तनावपूर्ण, करीब 100 पुलिसकर्मी रहे तैनात



रतिया। शहर में कूड़ा उठाती जेसीबी मशीन।
फोटो: हरिभूमि

फिर आमने-सामने प्रशासन और कर्मचारी

शहर में लगातार बढ़ रहे कूड़े के ढेरों को देखते हुए प्रशासन ने करीब एक सप्ताह बाद रविवार को फिर पुलिस बल की मौजूदगी में कूड़ा उठाने की कार्रवाई की। इस बार भी हड़ताल पर बैठे कर्मचारी मौके पर पहुंच गए और कूड़ा उठाने का विरोध शुरू कर दिया। इस दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

कर्रवाई का विरोध किया। विरोध बढ़ने पर पुलिस ने करीब 28-30 कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया। इसके बाद नगरपालिका की टीम ने जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रालियों से कूड़ा उठाने का काम जारी रखा।

आठ डंपिंग प्वाइंट से उठाया कूड़ा

सफाई कर्मचारियों को हिरासत में लेने के बाद नगर पालिका सचिव शुभम कुमार की टीम ने जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रालियों की सहायता से शहर के करीब आठ डंपिंग प्वाइंटों से कूड़ा उठाने का काम शुरू किया। प्रशासन का फोकस

लंबे समय से जमा कचरे के ढेरों को हटाकर शहर में सफाई व्यवस्था बहाल करने पर रहा। पुलिस बल की मौजूदगी में नगरपालिका की टीम ने अलग-अलग स्थानों से कचरा उठाने की कार्रवाई जारी रखी।

शीशपाल, शहर थाना के कार्यवाहक प्रभारी प्रवीण कुमार समेत करीब 100 पुलिसकर्मी तैनात रहे।

नगरीय विकास विभाग के सचिव रामकुमार बहलपुरिया ने धरने को संबोधित किया। वक्ताओं ने इयूटी मजिस्ट्रेट की मुक्ति पर खाल उठाते हुए कानून के उल्लंघन का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सफाई कर्मचारियों की मांगों का समाधान नहीं हुआ और दमनकारी नीति बंद नहीं की गई, तो ग्रामीण सफाई कर्मचारी भी काम ठप कर हड़ताल में शामिल होंगे।

नगर पालिका कर्मचारी संघ के आह्वान पर सफाई कर्मचारियों की हड़ताल रविवार को 25वें दिन भी जारी रही। धरने की अध्यक्षता इकाई प्रधान नरेश राणा ने की, जबकि मंच संचालन सचिव ओमप्रकाश लोट द्वारा किया गया। कर्मचारियों ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिसिया कार्रवाई, महिला कर्मचारियों के साथ कथित बदसलूकी और नगर परिषद के सेक्रेटरी के रवैये को लेकर कड़ा रोष जताया है। युनियन नेता नरेश राणा, ओमप्रकाश लोट, सतबीर सहारण और वीरू रति ने कहा कि अपनी जायज मांगों को लेकर शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों पर शनिवार शाम प्रशासन द्वारा बल प्रयोग किया गया। कर्मचारी नेताओं का आरोप है कि पुलिस ने शाम के समय महिला कर्मचारियों से धक्का-मुक्की की, कपड़े फाड़े और घसीटते हुए पुलिस वैन में बैठकर घुमाया

गया। कर्मचारियों ने ऐलान किया है कि तमाम सवालों का जवाब मांगने के लिए सोमवार को कर्मचारी किसानों के साथ प्रदर्शन करते हुए डीसी कार्यालय का घेराव करेंगे और जवाब मांगेंगे।

हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों ने कूड़ा उठाने का विरोध किया, अधिकारी पर कूड़ा फेंकने का आरोप

पुलिस बल के बीच जेसीबी से उठाया कूड़ा, 28 हिरासत में

विरोध के दौरान स्थिति तनावपूर्ण, करीब 100 पुलिसकर्मी रहे तैनात



रतिया। शहर में कूड़ा उठाती जेसीबी मशीन।
फोटो: हरिभूमि

फिर आमने-सामने प्रशासन और कर्मचारी

शहर में लगातार बढ़ रहे कूड़े के ढेरों को देखते हुए प्रशासन ने करीब एक सप्ताह बाद रविवार को फिर पुलिस बल की मौजूदगी में कूड़ा उठाने की कार्रवाई की। इस बार भी हड़ताल पर बैठे कर्मचारी मौके पर पहुंच गए और कूड़ा उठाने का विरोध शुरू कर दिया। इस दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

कर्रवाई का विरोध किया। विरोध बढ़ने पर पुलिस ने करीब 28-30 कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया। इसके बाद नगरपालिका की टीम ने जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रालियों से कूड़ा उठाने का काम जारी रखा।

आठ डंपिंग प्वाइंट से उठाया कूड़ा

सफाई कर्मचारियों को हिरासत में लेने के बाद नगर पालिका सचिव शुभम कुमार की टीम ने जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रालियों की सहायता से शहर के करीब आठ डंपिंग प्वाइंटों से कूड़ा उठाने का काम शुरू किया। प्रशासन का फोकस

लंबे समय से जमा कचरे के ढेरों को हटाकर शहर में सफाई व्यवस्था बहाल करने पर रहा। पुलिस बल की मौजूदगी में नगरपालिका की टीम ने अलग-अलग स्थानों से कचरा उठाने की कार्रवाई जारी रखी।

शीशपाल, शहर थाना के कार्यवाहक प्रभारी प्रवीण कुमार समेत करीब 100 पुलिसकर्मी तैनात रहे।

नगरीय विकास विभाग के सचिव रामकुमार बहलपुरिया ने धरने को संबोधित किया। वक्ताओं ने इयूटी मजिस्ट्रेट की मुक्ति पर खाल उठाते हुए कानून के उल्लंघन का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सफाई कर्मचारियों की मांगों का समाधान नहीं हुआ और दमनकारी नीति बंद नहीं की गई, तो ग्रामीण सफाई कर्मचारी भी काम ठप कर हड़ताल में शामिल होंगे।

नगर पालिका कर्मचारी संघ के आह्वान पर सफाई कर्मचारियों की हड़ताल रविवार को 25वें दिन भी जारी रही। धरने की अध्यक्षता इकाई प्रधान नरेश राणा ने की, जबकि मंच संचालन सचिव ओमप्रकाश लोट द्वारा किया गया। कर्मचारियों ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिसिया कार्रवाई, महिला कर्मचारियों के साथ कथित बदसलूकी और नगर परिषद के सेक्रेटरी के रवैये को लेकर कड़ा रोष जताया है। युनियन नेता नरेश राणा, ओमप्रकाश लोट, सतबीर सहारण और वीरू रति ने कहा कि अपनी जायज मांगों को लेकर शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों पर शनिवार शाम प्रशासन द्वारा बल प्रयोग किया गया। कर्मचारी नेताओं का आरोप है कि पुलिस ने शाम के समय महिला कर्मचारियों से धक्का-मुक्की की, कपड़े फाड़े और घसीटते हुए पुलिस वैन में बैठकर घुमाया

गया। कर्मचारियों ने ऐलान किया है कि तमाम सवालों का जवाब मांगने के लिए सोमवार को कर्मचारी किसानों के साथ प्रदर्शन करते हुए डीसी कार्यालय का घेराव करेंगे और जवाब मांगेंगे।

गांव रामसरा में महीनों से हो रही बदबूदार पानी की आपूर्ति एसडीओ बोले : मनरेगा शुरू होने पर होगी सफाई

तीनों स्टोरेज टैंकों के भीतर भारी मात्रा में गंदगी, घास और बदबूदार कीचड़ जमा



फोटो: हरिभूमि

रण सिंह माधरा ►भट्टकलां

जन स्वास्थ्य विभाग का नारा है, खुला नल, दूषित जल, करता है बीमार, उठो जागो, आओ मिलकर करे इसका सुधार। लेकिन भट्ट कलां के नजदीकी गांव रामसरा के जल घर के जमीनी हालात देखकर विभाग के इन दावों की पोल खुलती नजर आ रही है। मुख्यमंत्री नाथब सिंह सैनी के हर घर स्वच्छ जल के निर्देशों के बावजूद रामसरा के ग्रामीण पिछले कई महीनों से बदबूदार और दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। गांव के जल घर में बने तीनों स्टोरेज टैंकों के भीतर भारी मात्रा में गंदगी, घास और बदबूदार कीचड़ जमा है। सफाई न होने के कारण यही दूषित पानी गांव में सप्लाई किया जा रहा है, जिससे महामारी फैलने का खतरा बन गया है। ग्रामीण खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि

हाई-टेंशन तारों के नीचे काम करने को मजबूर

लापरवाही सिर्फ पेयजल तक सीमित नहीं है, बल्कि जल घर परिसर में कर्मचारियों की सुरक्षा भी राम भरोसे है। हरियाणा कोशल रोजगार निगम के तहत तैनात तीन कर्मचारी बिना किसी सुरक्षा उपकरण के काम कर रहे हैं। जिस स्थान पर वाल्च लगा है, ठीक उसके ऊपर 11,000 वोल्ट की नगी हाई-टेंशन तारें झूल रही हैं।

कर्मचारी हर रोज जान जोखिम में डालकर वाल्च खोलने और बंद करने को मजबूर हैं। यदि समय रहते जल घर के टैंकों की सफाई नहीं कराई गई और 11 हजार वोल्ट की डीली तारों को दुरुस्त नहीं किया गया, तो किसी भी बड़े हादसे या बीमारी फैलने की सीधी जिम्मेदारी जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की होगी।

दूषित पेयजल की समस्या को लेकर जब जन स्वास्थ्य विभाग के एसडीओ सतपाल रोहज से बात की गई तो उन्होंने पल्ला झाड़ते हुए कहा कि दो महीने बाद जब मनरेगा का काम शुरू होगा, तब एसटीमेट बनाकर सफाई करवा दी जाएगी। एसडीओ के इस रवैये से ग्रामीणों में भारी रोष है। सवाल यह उठ रहा है कि क्या पेयजल जैसी बुनियादी जरूरत के लिए भी ग्रामीणों को दो महीने तक बीमारियों के साप में जीना पड़ेगा।

हाई-टेंशन तारों के नीचे काम करने को मजबूर

लापरवाही सिर्फ पेयजल तक सीमित नहीं है, बल्कि जल घर परिसर में कर्मचारियों की सुरक्षा भी राम भरोसे है। हरियाणा कोशल रोजगार निगम के तहत तैनात तीन कर्मचारी बिना किसी सुरक्षा उपकरण के काम कर रहे हैं। जिस स्थान पर वाल्च लगा है, ठीक उसके ऊपर 11,000 वोल्ट की नगी हाई-टेंशन तारें झूल रही हैं।

कर्मचारी हर रोज जान जोखिम में डालकर वाल्च खोलने और बंद करने को मजबूर हैं। यदि समय रहते जल घर के टैंकों की सफाई नहीं कराई गई और 11 हजार वोल्ट की डीली तारों को दुरुस्त नहीं किया गया, तो किसी भी बड़े हादसे या बीमारी फैलने की सीधी जिम्मेदारी जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की होगी।

दूषित पेयजल की समस्या को लेकर जब जन स्वास्थ्य विभाग के एसडीओ सतपाल रोहज से बात की गई तो उन्होंने पल्ला झाड़ते हुए कहा कि दो महीने बाद जब मनरेगा का काम शुरू होगा, तब एसटीमेट बनाकर सफाई करवा दी जाएगी। एसडीओ के इस रवैये से ग्रामीणों में भारी रोष है। सवाल यह उठ रहा है कि क्या पेयजल जैसी बुनियादी जरूरत के लिए भी ग्रामीणों को दो महीने तक बीमारियों के साप में जीना पड़ेगा।

महिला सहित दो चूरापोस्त तस्कर को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ►सिरसा



सिरसा। चूरापोस्त के साथ पकड़ी गई आरोपी महिला।
फोटो: हरिभूमि

आरोपी महिला की पहचान मनप्रीत कौर के रूप में हुई। इसके अलावा पुलिस ने गश्त व चेकिंग के दौरान रानीयां क्षेत्र से बाइक सवार युवक को एक किलो ग्राम चूरापोस्त सहित गिरफ्तार किया है। जीवननगर पुलिस चौकी प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम रानीयां क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान कार्रवाई की गई।

एडवाइजरी फेसबुक-इंस्टाग्राम पर विज्ञापन देकर व्हाट्सएप से जोड़ते हैं ठग, रहें सावधान

सस्ता फॉलोअर्स-व्यूज बढ़ाने का ऑफर पड़ सकता है भारी पहले कम पैसे लेते हैं फिर बार-बार मांगते हैं भुगतान : एसपी

ठगी होने पर 1930 पर तत्काल कॉल करें

साइबर ठगी का शिकार होने या ठगी का संदेह होने पर देरी न करें। राष्ट्रीय साइबर रिएस्पॉन्स टीम को तुरंत कॉल करें और पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाएं। नजदीकी थाना या साइबर सेल को भी सूचना दें। साइबर सेल को रोकने या वापस हासिल करने की संभावना बढ़ जाती है। सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स और व्यूज बढ़ाने के लालच में किसी अनजान व्यक्ति या वेबसाइट को भुगतान न करें। पहले सत्यापन करें, फिर ही कोई ऑनलाइन लेन-देन करें। अपनी बैंकिंग और निजी जानकारी को हमेशा सुरक्षित रखें। -निकिता खट्टर, एसपी फतेहाबाद

फॉलोअर्स या अन्य शुल्क के नाम पर बार-बार पैसे मांगे जाते हैं। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस ने आमजन को ऐसे फर्जी ऑफर से सावधान रहने की एडवाइजरी जारी की है।

इन 5 संकेतों को देखते ही हो जाएं सावधान

1. कम कीमत में हजारों फॉलोअर्स-व्यूज : बहुत कम कीमत में बड़ी संख्या में फॉलोअर्स या व्यूज बढ़ाने का दावा।
2. विज्ञापन से सीधे व्हाट्सएप पर संपर्क : फेसबुक या इंस्टाग्राम विज्ञापन के जरिए अनजान व्हाट्सएप नंबर पर बात करने को कहना।
3. बार-बार अतिरिक्त भुगतान की मांग : पहले भुगतान के बाद सत्यापन या अन्य शुल्क के नाम पर दोबारा पैसे मांगना।
4. भुगतान के बाद सेवा गायब : पैसे लेने के बाद फॉलोअर्स-व्यूज नहीं बढ़ाना या संपर्क बंद कर देना।
5. गोपनीय जानकारी मांगना : ओटीपी, यूपीआई पिन, सीवीवी, पासवर्ड या बैंक खाते की जानकारी मांगना।

पुलिस की सलाह : लालच में नलदबाजी न करें

►अनजान सोशल मीडिया विज्ञापन और प्रोफाइल पर भरोसा न करें।
►डिजिटल सत्यापन के किसी व्हाट्सएप नंबर पर भुगतान न करें।
►ओटीपी, यूपीआई पिन, सीवीवी और पासवर्ड किसी से साझा न करें।
►ऑनलाइन भुगतान से पहले प्राप्तकर्ता की पूरी जानकारी जांचें।
►संदिग्ध नंबर और प्रोफाइल को ब्लॉक व रिपोर्ट करें।
►ठगी हो जाए तो तुरंत 1930 पर करें कॉल

पुलिस में बड़ा फेरबदल, 6 थाना-चौकी प्रभारी बदले

हरिभूमि न्यूज ►फतेहाबाद

एसपी ने किए तबादले, शहर थाना समेत कई महत्वपूर्ण थानों और चौकियों की बदली कमान

अपराध नियंत्रण और बेहतर पुलिसिंग पर जोर

पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने अधिकारियों को नई तैनाती वाले क्षेत्रों में पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस विभाग का मुख्य फोकस अपराध पर नियंत्रण, असांजिक तत्वों पर कार्रवाई, यातायात व्यवस्था, महिला सुरक्षा और आमजन की शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने पर रहेगा। थाना और चौकी स्तर पर पुलिस की सक्रियता बढ़ाने के साथ क्षेत्र में गश्त और निगरानी व्यवस्था को भी मजबूत किए जाने की उम्मीद है। पुलिस विभाग में किए गए इस फेरबदल को नियमित प्रशासनिक बदलाव के साथ-साथ जिले की कानून व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है। महत्वपूर्ण थानों और चौकियों में नई जिम्मेदारियां मिलने के बाद अधिकारियों से अपने क्षेत्रों में पुलिस की कार्यप्रणाली को और चुस्त-दुरुस्त करने की अपेक्षा की गई है।

चार नशा तस्कर गिरफ्तार, लाखों की हेरोइन बरामद

सिरसा। पुलिस ने नशा तस्करों पर कार्रवाई करते हुए जिले क्षेत्र से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लाखों रुपये की हेरोइन बरामद की है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपियों की पहचान बलकार सिंह, जगसीर सिंह, मनप्रीत सिंह व रमनदीप के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि पुलिस डबवाली क्षेत्र के पक्का शहीदा नका पर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो युवक आते दिखाई दिए जो कि पुलिस टीम को देखकर वापस मुड़ गए। पुलिस ने बाइक



गिरफ्तार हेरोइन तस्कर।

सवार युवकों का पीछा कर उन्हें दबोच लिया। तलाशी लेने पर आरोपियों के कब्जे

से 16 ग्रांम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस पुष्टताछ में आरोपियों की पहचान बलकार सिंह व जगसीर सिंह के रूप में हुई। इसके अलावा पुलिस ने रातियां करखा के नानुआना रोड क्षेत्र से एक युवक को हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान रमनदीप के रूप में हुई है। सीआईए एलनाबाद प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त व चौकियों के दौरान नानुआना रोड क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान एक युवक पैदल आता दिखाई दिया जो कि पुलिस को देखकर वापस मुड़कर भागने की कोशिश करने लगा।

घग्गर पुल के पास ग्राहकों का इंतजार कर रहा हेरोइन तस्कर पकड़ा, 75.21 ग्राम नशा बरामद

फतेहाबाद। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सीआईए टोहना पुलिस ने जाखल क्षेत्र से 75.21 ग्राम हेरोइन सहित एक आरोपी को दबोचने में सफलता पाई है। आरोपी की पहचान सतनाम सिंह पुत्र लाम सिंह, निवासी गांव जाखल के रूप में हुई है। सीआईए टोहना प्रभारी उपनिरीक्षक अजय ने बताया कि पुलिस टीम जाखल रोड नडैल क्षेत्र में गश्त पर तैनात थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि सतनाम सिंह हेरोइन बेचने का धंधा करता है और घग्गर पुल नडैल रोड पर ग्राहकों के इंतजार में खड़ा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने तुरंत दक्षिण देकर आरोपी को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर आरोपी की लोअर की जेब से पारदर्शी पॉलिथीन में रखी 75.21 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपी को खिलाफ थाना जाखल में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

फतेहाबाद। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सीआईए टोहना पुलिस ने जाखल क्षेत्र से 75.21 ग्राम हेरोइन सहित एक आरोपी को दबोचने में सफलता पाई है। आरोपी की पहचान सतनाम सिंह पुत्र लाम सिंह, निवासी गांव जाखल के रूप में हुई है। सीआईए टोहना प्रभारी उपनिरीक्षक अजय ने बताया कि पुलिस टीम जाखल रोड नडैल क्षेत्र में गश्त पर तैनात थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि सतनाम सिंह हेरोइन बेचने का धंधा करता है और घग्गर पुल नडैल रोड पर ग्राहकों के इंतजार में खड़ा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने तुरंत दक्षिण देकर आरोपी को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर आरोपी की लोअर की जेब से पारदर्शी पॉलिथीन में रखी 75.21 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपी को खिलाफ थाना जाखल में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस की सलाह : लालच में नलदबाजी न करें

►अनजान सोशल मीडिया विज्ञापन और प्रोफाइल पर भरोसा न करें।
►डिजिटल सत्यापन के किसी व्हाट्सएप नंबर पर भुगतान न करें।
►ओटीपी, यूपीआई पिन, सीवीवी और पासवर्ड किसी से साझा न करें।
►ऑनलाइन भुगतान से पहले प्राप्तकर्ता की पूरी जानकारी जांचें।
►संदिग्ध नंबर और प्रोफाइल को ब्लॉक व रिपोर्ट करें।
►ठगी हो जाए तो तुरंत 1930 पर करें कॉल

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी : लोक-संस्कृति और जीवन दर्शन

जन्माष्टमी के दिन हरियाणा के ग्रामीण और शहरी दोनों ही अंचलों में व्रत रखने की एक अत्यंत कठोर और पवित्र लोक परंपरा सदियों से चली आ रही है। श्रद्धालु दिनभर निर्जला या फलाहारी व्रत का संकल्प लेते हैं और जैसे-जैसे भादों की अंधेरी रात में मध्यरात्रि के बारह बजने का समय करीब आता है, हर घर और मंदिर में एक अलौकिक प्रतीक्षा का भाव छा जाता है।



पर्व

आँचल शर्मा

भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष में जब वर्षा ऋतु अपने चरम पर होती है और हरियाली से धरती का कोना-कोना खिल उठता है, तब हरियाणा का जनमानस एक अद्भुत आध्यात्मिक और सांस्कृतिक उल्लास में डूब जाता है। हरियाणा में योगेश्वर की उपासना का समय आता है, जिसने इस पावन भूमि को केवल एक ऐतिहासिक युद्धभूमि नहीं, बल्कि धर्मभूमि का अमर गौरव प्रदान किया। जन्माष्टमी का यह पर्व हरियाणा के लिए केवल एक देवता के जन्म का उत्सव नहीं है, बल्कि यह उस महान मार्गदर्शक के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है, जिसने कुरुक्षेत्र की माटी को पूरे विश्व के लिए ज्ञान, दर्शन और निष्काम कर्म का शाश्वत केंद्र बना दिया।हरियाणा के लोक-जीवन और सांस्कृतिक जड़ों में श्रीकृष्ण की उपस्थिति को देखते हैं तो वह अत्यंत सहज और आत्मीय प्रतीत होती है।

हरियाणा की लोक-संस्कृति, साहित्य और संगीत में कृष्ण कथाओं का अत्यंत प्रामाणिक और



समुद्ध इतिहास रा गया है। प्रदेश की सबसे सशक्त लोक नाट्य शैली—सांग और रागिनी परंपरा में कृष्ण के जीवन प्रसंगों, कुरुक्षेत्र के युद्ध और गीता के उपदेश का बहुत ही मार्मिक वर्णन मिलता है। पंडित लखमीचंद, बाजे भगत और मांगे राम जैसे महान लोक-कवियों की समृद्ध वाचिक परंपरा ने अपनी रागनियों के माध्यम से श्रीकृष्ण की लीलाओं और गीता के दार्शनिक ज्ञान को जन-जन की भाषा में ढालकर ग्रामीण चौपालों तक पहुंचाया है। हरियाणा की इसी सांग-परंपरा की एक अत्यंत लोकप्रिय और ओजस्वी रागिनी में गीता के उपदेश का सार बहुत ही सीधे शब्दों में गाते हुए कहा गया है कि 'बाजे शंख नगाड़े भारी कुरुक्षेत्र के मैदान में, कृष्ण जी ने गीता गाई अर्जुन के सुध ज्ञान में।' जब ग्रामीण मंचों पर लोक-कलाकार इन रागनियों को पूरी तल्लीनता से गाते हैं तो ऐसा प्रतीत होता है मानो कृष्ण कोई दूरस्थ देवता नहीं, बल्कि हरियाणा की इसी धरती पर खड़े एक जीवंत मार्गदर्शक हों।लोक-साहित्य की वास्तविक आत्मा उसकी इसी वाचिक परंपरा में निवास करती है, जहां किसी रचना की प्रामाणिकता मुद्रित पृष्ठों से नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही सामूहिक श्रुति-स्मृति से सिद्ध होती है। इसी निर्बाध प्रवाह में, हरियाणा के ग्रामीण अंचलों, विशेषकर बांगर

और खादर क्षेत्रों के रतजगों में, जन्माष्टमी के अवसर पर महिलाओं द्वारा समवत स्वर में गाए जाने वाले 'जकड़ी', 'पंगट' और 'सोहर' गीत इस वाचिक परंपरा के सबसे प्रामाणिक साक्ष्य बनकर उभरते हैं। इन जकड़ियों में पौराणिक प्रामाणिकता को और अधिक पुष्ट करते हैं।हरियाणवी लोक-दर्शन की एक और बड़ी विशिष्टता ईश्वर के साथ स्थापित होने वाला 'सखा भाव' है, जो माखन चोरी और उलाहना जकड़ियों में बड़ी प्रखरता से मुखर होता है। इन उलाहना गीतों में गोपियां कृष्ण की नटखट हरकतों की शिकायत करते हुए पूरी निश्छलता से गाती हैं: *काली कमली आळा मेरा, मन हर के लेंगा री। मैं तो गई थी जमुना जल भरण नै, मेरी मटक की फोड़ के लेया री। सासरिये में सुगै सास मेरी, मैं तो हो गई आण-निताणी री।* इन पंक्तियों में सास के तानों का भय और 'आण-निताणी' (असहाय) होने का जो भोलापन झलकता है, वह हरियाणवी ग्रामीण परिवेश के सहज मनोविज्ञान को दर्शाता है। ये उलाहना जकड़ियां रास-गीतों के साथ-साथ जन्माष्टमी के जगणियों का अभिनंग रही हैं। इन जकड़ियों के रचयिता भले ही पूर्णतः अज्ञात हों, परंतु 'आळा', 'ल्याय', 'चालैं' जैसी ठेठ क्षेत्रीय शब्दावली ही इनकी वास्तविक कसौटी है। ये किसी आधुनिक

मंदिर दो और मूर्ति एक

झज्जर जिले के बेरी कस्बा में दो मंदिर हैं और इनमें रखी जाने वाली माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति एक ही है। बताते हैं कि प्रारंभ में इस जगह पर घना जंगल था। इसमें ऋषि दुर्वासा रह रहे थे। ऋषि दुर्वासा रोजाना सुबह माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति को बाहरी मंदिर में लाते और दोपहर बाद मूर्ति को भीतरी मंदिर में रख देते थे। मूर्ति को आंतरिक मंदिर से बाहरी मंदिर तक ले जाने की यह प्रक्रिया अभी भी धार्मिक रूप से पालन की जा रही है।

जन्माष्टमी पर हरियाणा के घरों में खीरे को काटकर उसमें से बाल कृष्ण की मूर्ति को प्रतीकात्मक रूप से जन्म दिलाने की एक अनूठी परंपरा देखने को मिलती है, जिसे लोक-विश्वास में 'नाल छेदन' का प्रतीक माना जाता है।

गीतकार की बंद कमरे में रची गई कविताएं नहीं हैं, अपितु ये हरियाणा की मिट्टी से उपजी वे ध्वनियां हैं, जिन्होंने भगवान को स्वर्ग के सिंहासन से उतारकर सीधे गांव की चौपाल और घर के आंगन का हिस्सा बना दिया है। व्रत और अनुष्ठानों की दृष्टि से देखा जाए तो, जन्माष्टमी के दिन हरियाणा के ग्रामीण और शहरी दोनों ही अंचलों में व्रत रखने की एक अत्यंत कठोर और पवित्र लोक परंपरा सदियों से चली आ रही है। श्रद्धालु दिन भर निर्जला या फलाहारी व्रत का संकल्प लेते हैं और जैसे-जैसे भादों की अंधेरी रात में मध्यरात्रि के बारह बजने का समय करीब आता है, हर घर और मंदिर में एक अलौकिक प्रतीक्षा का भाव छा जाता है। जैसे ही चांद निकलता है तो शंखों की ध्वनि और नगाड़ों की गूंज के साथ वतावरण 'नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयकारों से भर उठता है। इस जन्म के अवसर पर हरियाणा के घरों में खीरे को काटकर उसमें से बाल कृष्ण की मूर्ति को प्रतीकात्मक रूप से जन्म दिलाने की एक अनूठी परंपरा देखने को मिलती है, जिसे लोक-विश्वास में 'नाल छेदन' का प्रतीक माना जाता है। जन्म के तुरंत पश्चात बालगोपाल का पंचामृत से पवित्र अभिषेक कराया जाता है और उद्धे नंद रेशमी वस्त्र पहनाकर श्रद्धापूर्वक झुला झुलाया जाता है। चूंकि कृष्ण को गोपाल कहा जाता है और हरियाणा मूलतः पशुपालकों का प्रदेश है, इसलिए जन्माष्टमी पर यहां के खान-पान और भगवान के नैवेद्य में विशेष शुद्धता और देसी स्वाद झलकता है। ताजी मथी हुई छाछ से निकले सफेद मक्खन, मिश्री, देसी घी के चूरमे, धनिया के

पंजीरी और दूध को कढ़ाकर बनाए गए पेड़े विशेष रूप से अर्पित किए जाते हैं। इसके साथ ही, लोक-विश्वास के अंतर्गत इस दिन गोसेवा का विशेष विधान है, जहां लोग अपनी गांयों को स्वच्छ जल से नहलाकर सजाते हैं, हरा चारा खिलाते हैं और माथे पर रोली का तिलक लगाकर आरती उतारते हैं। प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधताओं के कारण इस पर्व के स्वरूप में भी थोड़ी भिन्नता दिखाई देती है। हरियाणा के दक्षिणी हिस्से, विशेषकर पलवल, होडल, फरीदाबाद और नूंह के जो क्षेत्र ब्रज भूमि से सटे हुए हैं, वहां रासलीला मंडलियों और ब्रज शैली के कीर्तनों का गहरा प्रभाव देखने को मिलता है। इसके विपरीत, चूंकि भगवान कृष्ण को एक महान मल्ल भी माना जाता है, इसलिए फरीदाबाद के धारिण जैसे कई गांवों में जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में विशेष मेलों और कुश्ती के दंगलों का आयोजन किया जाता है। हरियाणा में कृष्ण और जन्माष्टमी की चर्चा कुरुक्षेत्र के बिना सर्वथा अधूरी है। यह केवल एक भौगोलिक स्थान मात्र नहीं है, बल्कि यह मानव के आत्मसंघर्ष की वह भूमि है, जहां मनुष्य अपने कर्तव्य और सांसारिक मोह के बीच खड़ा होता है। कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर में उसी ऐतिहासिक अक्षय वट के नीचे जन्माष्टमी पर विशेष आध्यात्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं। यहां कृष्ण केवल जलशय के नंदलाल नहीं रहते, बल्कि वे एक गंभीर योगेश्वर के रूप में पूजे जाते हैं। श्रीकृष्ण द्वारा दिया गया कर्म का यह संदेश हरियाणा के मेहनतकश समाज के जीवन-दर्शन से हृबहू मेल खाता है। मौसम की परवाह किए बिना खेत में पसीना बहाने वाला किसान हो या देश की सीमाओं पर डटा हरियाणा का जवान, निष्काम कर्म की जो भावना गीता में बताई गई है, वह हरियाणवी जनमानस के स्वभाव में प्राकृतिक रूप से रची-बसी है। जब किसी गांव की चौपाल से कृष्ण की रागनी की कोई पुरानी तान सुनाई देती है या जब कोई महिला अपने घर के आंगन में कान्हा की छठी के गीत गाती है तो ऐसा प्रतीत होता है कि हजारों वर्ष पुरानी वह अलौकिक कथा आज भी हरियाणा की मिट्टी में सांस ले रही है। हरियाणा में श्रीकृष्ण केवल भगवान नहीं हैं, वे इस प्रदेश की आत्मा में रचे-बसे एक शाश्वत मार्गदर्शक हैं।

ग़ज़ल	कर्मचंद केसर	
कुछ ना सै		
गन्दा - मन्दा फूहड़ गाणा कुछ ना सै। लय सुर ताल बिना मुँह बाणा कुछ ना सै।		
मतलब खातर हाथ मित्याणा कुछ ना सै। अपणी बोर - बड़याई गाणा कुछ ना सै।		
रिश्तेदारी हो सै प्यारी बरतण की, बात-बात पै खुँड बजाणा कुछ ना सै।		
सुलफा गाँऊआ मॉंग धतूरा फीम बुरी, दारु का बी पीणा-प्याणा कुछ ना सै।		
बटळी करले चै कितनी धन-माया तौ, उरियो रहजु गेल्लै जाणा कुछ ना सै।		
बाँगगे-बोलेटे च्यार डोंकटे लिखकै बस, अखबारों में नाम छपाणा कुछ ना सै।		
फास्ट फूड अर् लटरम-पटरम खावैं लोग, होटल का बी ताजा खाणा कुछ ना सै।		
चाल-चलन में खोट मगन मोह माया मैं, सिर टोप्पी चै भगवॉ बाणा कुछ ना सै।		
जूत लगैं और मिलैं मिट्ठ्याई खावण नैं, केसर इसी जगॉ चै पाणा कुछ ना सै।		

ग़ज़ल	रामफल गौड	
मान मरे सै		
जिस माणस का मान मरे सै। जिन्दा ओ इनसान मरे सै।		
बेदोस्सी नै सजा मिलै तो, न्यूँ समझो संविधान मरे सै।		
मात पिता हों मरे बराब्बर, जिनका पूत जवान मरे सै।		
खड़जंग माट्ठे सै जिस घर म्हं, बच्चों की मुस्कान मरे सै।		
ओ जिन्दा बी मरे बराब्बर, जिसका दीन ईमान मरे सै।		
खेत रोवते बिलख बिलख जिब, तंगवी भोग किसान मरे सै।		
जात धरम पै कतल हुवै जिब, मणसपणे कां ग्यान मरे सै।		
खतम हुवै सै वा संसकिरती, जिसकी मूल जबांन मरे सै।		
मोत मणस की इब न्यूँ रामफल, सरइय पै ज्यूँ स्वान मरे सै।		

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

बालपन

आनंद को खोजने के लिए दूर जाने की जरूरत नहीं, वह हमारे अतीत की किसी 'खोही' में भी छिपा हो सकता है

याद आता है बचपन की 'खोही' और बारिश में भीगा हुआ आनंद

लोकजीवन

रवि यादव

भले ही आज जमाना बहुत बदल गया है, सुविधाएं बढ़ गई हैं और जीवन की रफ्तार पहले से कहीं तेज हो गई है, लेकिन बचपन की कुछ यादें ऐसी होती हैं, जो समय के साथ धुंधली नहीं पड़ती। वे अचानक किसी दृश्य, किसी वस्तु, किसी खुशबू या बारिश की किसी बूंद के साथ फिर से हमारे सामने आ खड़ी होती हैं। ऐसी ही एक याद है - हमारे बचपन की 'खोही' या 'खोली'। आज की पीढ़ी शायद इस शब्द से परिचित न हो, लेकिन हमारे जैसे लोगों के लिए 'खोही' केवल सुतली से बनी बोरी नहीं थी और न ही प्लास्टिक से बना खाद का कट्टा था। वह खोही हमारे बचपन का हिस्सा थी, हमारी शरातों की साथी थी और कभी-कभी तो हमारे लिए छतरी का काम भी करती थी। मुझे आज भी याद है कि हमारे स्कूलों में उस समय टाट-पट्टी पर्याप्त संख्या में नहीं हुआ करती थी। इसलिए हम घर से सुतली से बनी बोरी या प्लास्टिक का कट्टा लेकर स्कूल जाया करते थे। स्कूल पहुंचते ही सबसे पहला काम होता था अपनी परांद की जगह तयशाना। जैसे ही जगह मिलती, हम अपनी बोरी वहां बिछा देते और उस पर अपना बस्ता रख देते थे। धीरे-धीरे वह जगह हमारे लिए किसी छोटे से 'प्लाट' की तरह हो जाती थी। मन में एक अदृश्य बोर्ड टंगा होता था - "यह मेरी जगह है, यहां कोई नहीं बैठेगा।" अगर कोई

दूसरा बच्चा हमारी जगह पर बैठ जाता तो मामला लगभग जमीन के विवाद जैसा ही जाता था। देरती अपनी जगह थी, लेकिन अपनी बोरी और अपनी जगह की हिफाजत उससे भी बड़ी जिम्मेदारी हुआ करती थी। उस समय हमारे पास आज जैसी सुविधाएं नहीं थीं,

लेकिन सुविधाएं बहुत थीं। साधन सीमित थे, मगर कल्पनाएं असीमित थीं। एक साधारण बोरी भी कभी बैठने की चटाई बन जाती थी, कभी सामान रखने की जगह और बारिश आ जाए तो वही बोरी खोही के रूप में हमारे सिर का ताज बन जाती थी। हमारे अहीरवाला क्षेत्र में इसे 'खोही' कहा जाता था। अलग-अलग क्षेत्रों में इसके अलग-अलग नाम रहे होंगे। यही तो हमारे देश की खुबसूरती है कि एक ही वस्तु अलग-अलग इलाकों में अलग नाम और अलग स्मृतियों के साथ जीवित रहती है। किसी के लिए यह बोरी होगी, किसी के लिए कट्टा, किसी के लिए कोई और स्थानीय नाम - लेकिन इससे जुड़ी बचपन की भावनाएं शायद लगभग एक जैसी ही होंगी। आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूँ तो लगता है कि उस दौर में हमारे पास चीजें कम थीं, लेकिन उन्हें आनंद में बदलने की कला खूब थी। एक छोटी-सी चीज में खेल दूँद लेना, बारिश में भीगना, मिट्टी में पैर सानना, देरती के साथ हँसना और मामूली-सी चीज को भी खास बना देना, शायद यही बचपन था।

आज का दिन भी मेरे लिए कुछ ऐसा ही रहा। बारिश हो रही थी। छतरी घर में रखी थी और मैं उसे लेकर निकल सकता था, लेकिन मन ने कहा कि आज बारिश को महसूस किया जाए। आज खुशियाँ से उन्माद आनंद चाहिए था। और जब आनंद की बात आती है तो बचपन अपने आप सामने आ जाता है। नजर पड़ी एक चूरी के कट्टे पर। अचानक बचपन की वही 'खोही' याद आ गई। मैंने उसी अवसर में उसे तैयार किया, जैसे बचपन में 'खोही' घर पर रखकर बारिश से बचा करते थे। कुछ ही क्षणों में वह कट्टा मेरे सिर पर आ और मैं बारिश के बीच चल रहा था। उस पल लगा जैसे उस ने कुछ देर के लिए पीछे लौटने का रास्ता खोल दिया हो। चहरे पर बारिश की बूंदें थीं, लेकिन मन में बचपन की हंसी थी। आपस आपस आधुनिक दुनिया थी, लेकिन भीतर वही पुराना स्कूल, वही बोरी, वही अपनी जगह और वही देरती की आवाजें थीं। कभी-कभी जिंदगी में आनंद पाने के लिए बड़ी चीजों की जरूरत नहीं होती।

एक साधारण बोरी भी कभी बैठने की चटाई बन जाती थी, कभी सामान रखने की जगह और बारिश आ जाए तो वही बोरी खोही के रूप में हमारे सिर का ताज बन जाती थी।

महंशे साधन, बड़े पर्यटन स्थल या शानदार व्यवस्थाएं ही खुशी का कारण नहीं हैं। आनंद तो हमारे आपसपास बिखरा पड़ा है, बस उसे देखने वाली नजर चाहिए। एक पुरानी बोरी हमें बचपन में पहुंचा सकती है, बारिश की कुछ बूंदें पुरानी गलियों का यद दिला सकती हैं और कोई भूली-बिसरी वस्तु हमें उन लोगों तक ले जा सकती है, जिनके साथ हमने जीवन के सबसे सुंदर दिन बिताए थे। आज की भागती-दौड़ती जिंदगी में शायद हमें फिर से उसी बच्चे की जरूरत है, जो छोटी-सी चीज में बड़ी खुशी खोज लेता था। इसलिए अपनी पुरानी यादों को केवल याद मत कीजिए, कभी-कभी उन्हें जी भी लीजिए। बारिश हो तो भीगिए, मिट्टी की खुशबू महसूस कीजिए, बचपन की कोई वस्तु हाथ में उठाइए और अपने भीतर छिपे उस बच्चे से मिलिए, जो आज भी कहीं न कहीं आपका इंतजार कर रहा है। आनंद को खोजने के लिए दूर जाने की जरूरत नहीं है। वह हमारे अतीत की किसी 'खोही' में भी छिपा हो सकता है। बस जरूरत है, उसे पहचानने की। आनंद दूँदते रहिए और आनंदित रहिए।

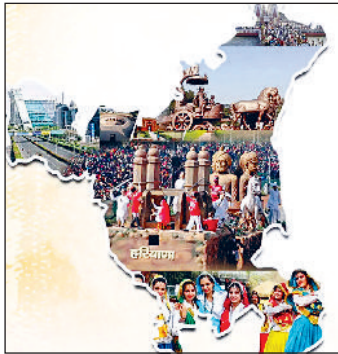
हरियाणवी का संस्कृत और वैदिक साहित्य से गहरा नाता



कलाकार

अंकुर शर्मा

हरियाणा केवल भारत के राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास का ही नहीं, बल्कि उसकी प्राचीन भाषिक परंपरा का भी एक अत्यंत महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। सरस्वती और दृषद्वती नदियों के मध्य स्थित यह क्षेत्र वैदिक सभ्यता की प्रमुख कर्मभूमि माना जाता है। अनेक विद्वानों का मत है कि ऋग्वेद सहित वैदिक साहित्य के अनेक मंत्रों की रचना इसी सांस्कृतिक परिवेश में हुई। यही कारण है कि हरियाणा की लोकभाषा और उसकी विभिन्न बोलियों में आज भी प्राचीन भारतीय भाषिक परंपरा की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। बांगरू, अहीरवाटी, बागड़ी, कौरवी तथा मेवाती जैसी बोलियाँ केवल ग्रामीण संप्रेषण का माध्यम नहीं हैं, बल्कि भारतीय भाषाओं के विकासक्रम की जीवंत कड़ियाँ भी हैं। भाषावैज्ञानिकों के अनुसार हरियाणवी बोलियाँ मुख्यतः शीरसेनी अपभ्रंश से विकसित पश्चिमी हिंदी समूह की सदस्य हैं। यह वही भाषिक क्षेत्र है जिसने आगे चलकर खड़ी बोली, बज्ज, कन्नौजी तथा हरियाणवी जैसी बोलियों को जन्म दिया। इसलिए हरियाणवी और संस्कृत का संबंध प्रत्यक्ष न होकर एक दीर्घ भाषिक परंपरा के माध्यम से स्थापित होता है। इस दृष्टि से हरियाणवी में संस्कृत की अनेक ध्वनियाँ, शब्द, व्याकरणिक संरचनाएं तथा सांस्कृतिक



अभिव्यक्तियाँ आज भी सुरक्षित दिखाई देती हैं। ध्वन्यात्मक स्तर पर हरियाणवी अनेक प्राचीन विशेषताओं को संरक्षित किए हुए है। उदाहरण के लिए संस्कृत के मूर्धन्य ण का प्रयोग हरियाणवी में आज भी व्यापक रूप से मिलता है। जहाँ मानक हिंदी में अनेक स्थानों पर 'ण' के स्थान पर 'न' का प्रयोग होने लगा है, वहीं हरियाणवी में पाणी, माणस, घणा, बाणी जैसे शब्द सहज रूप से बोले जाते हैं। यह विशेषता प्राचीन संस्कृत तथा शीरसेनी परंपरा की स्मृति को जीवित रखती है। इसी प्रकार कुछ स्थानों पर संयुक्त व्यंजनों के उच्चारण और ध्वनि-संरचना में भी प्राचीन भाषिक प्रवृत्तियों का प्रभाव दिखाई देता है। शब्द-संपदा की दृष्टि से भी हरियाणवी अत्यंत समृद्ध है। ग्रामीण जीवन में आज भी अनेक ऐसे शब्द प्रचलित हैं जिनकी जड़ें संस्कृत में मिलती हैं। उदाहरणस्वरूप 'गोधूम' से 'गेहूँ', 'क्षेत्र' से 'खेत', 'दुग्ध' से 'दूध', 'धृत्' से 'धी',

'क्ष्मा' से 'भाई', 'पितृ' से 'पितर' तथा 'मातृ' से 'माता' जैसे शब्द भाषिक निरंतरता के सशक्त उदाहरण हैं। इन शब्दों का उच्चारण समय के साथ सरल अवश्य हुआ है, किंतु उनका मूल संस्कृत से जुड़ा हुआ है। यह परिवर्तन भाषा की स्वाभाविक विकास प्रक्रिया का परिणाम है, न कि उसके मूल स्वरूप के लोप का। व्याकरणिक स्तर पर भी हरियाणवी में अनेक ऐसी विशेषताएँ मिलती हैं जो उसे प्राचीन भारतीय भाषिक परंपरा से जोड़ती हैं। अनेक क्रियाएँ और धातु-आधारित शब्द संस्कृत से विकसित रूपों में आज भी प्रयुक्त होते हैं। उदाहरण के लिए 'करना' का संबंध संस्कृत की 'कृ' धातु तथा 'जाना' का संबंध 'गम्' धातु से माना जाता है। यद्यपि इनका वर्तमान रूप प्राकृत और अपभ्रंश के विभिन्न चरणों से होकर विकसित हुआ है, फिर भी इनके मूल स्रोत संस्कृत में निहित हैं। यही भाषिक निरंतरता हरियाणवी की ऐतिहासिक महत्ता को रेखांकित करती है। हरियाणा की विभिन्न बोलियों में संस्कृत के प्रभाव का स्वरूप भी अलग-अलग दिखाई देता है। मध्य हरियाणा की बांगरू बोली अपेक्षाकृत संतुलित और व्यापक रूप से प्रचलित है। दक्षिण हरियाणा की अहीरवाटी में राजस्थानी प्रभाव के साथ संस्कृत मूल के अनेक शब्द सुरक्षित हैं। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की कौरवी बोली में संयुक्त व्यंजनों के उच्चारण तथा ध्वनि-बल की विशेष प्रवृत्तियाँ देखने को मिलती हैं। इसी प्रकार पश्चिमी हरियाणा की बागड़ी और दक्षिणी क्षेत्र की मेवाती में भी स्थानीय प्रभावों के साथ संस्कृत-प्राकृत परंपरा की अनेक विशेषताएँ विद्यमान हैं।

कभी सरस्वती के तट पर गूंजने वाली वैदिक वाणी की प्रतिध्वनि आज भी हरियाणा के खेतों, चौपालों, लोकगीतों और रागनियों में अनुभव की जा सकती है।

इससे स्पष्ट होता है कि हरियाणा की प्रत्येक बोली भारतीय आर्य भाषाओं के विकासक्रम का अपना विशिष्ट स्वरूप प्रस्तुत करती है। हरियाणवी का संस्कृत से संबंध केवल भाषा तक सीमित नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक और दार्शनिक स्तर पर भी अत्यंत गहरा है। वेदों और उपनिषदों में वर्णित प्रकृति के प्रति सम्मान, श्रम की महिमा, सत्य, कर्तव्य, पारिवारिक मर्यादा तथा लोककल्याण की भावना हरियाणा के लोकजीवन में आज भी स्पष्ट दिखाई देती है।लोकगीतों, रागनियों, सांग साहित्य, कहावतों और मुहावरों में इन जीवन मूल्यों की सहज अभिव्यक्ति मिलती है। अनेक लोककथाएँ और लोकविश्वास भारतीय दार्शनिक परंपरा की स्मृतियों को सरल लोकभाषा में संजोए हुए हैं। हरियाणा के सांग साहित्य और लोककवियों की रचनाओं में कर्म, धर्म, लोकमंत्र और ईश्वर के प्रति सम्पूर्ण जैने भाव-बार-बार व्यक्त होते हैं। ये वही मूल्य हैं जिनका उल्लेख वैदिक तथा उत्तरवैदिक साहित्य में मिलता है। ग्रामीण समाज में प्रचलित अनेक लोकोक्तियाँ अनुभवजन्य ज्ञान का

ऐसा रूप प्रस्तुत करती हैं, जिनमें भारतीय दार्शनिक चिंतन की प्रतिध्वनि सुनाई देती है। इस प्रकार हरियाणवी लोकसंस्कृति प्राचीन भारतीय ज्ञानपरंपरा की सशक्त वाहक सिद्ध होती है। यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि भाषाओं का विकास निरंतर परिवर्तन की प्रक्रिया है। इसलिए हरियाणवी को संस्कृत की प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी कहना भाषावैज्ञानिक दृष्टि से पूर्णतः उचित नहीं होगा। अधिक सटीक यह कहना होगा कि हरियाणवी भारतीय आर्य भाषाओं की उस दीर्घ विकास-शृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जिसकी प्रारंभिक आधारभूमि वैदिक संस्कृत रही है। इसीलिए हरियाणवी में संस्कृत के अनेक ध्वन्यात्मक, शब्दगत, व्याकरणिक तथा सांस्कृतिक तत्त्व आज भी सुरक्षित दिखाई देते हैं। निरसंदेह हरियाणा की क्षेत्रीय बोलिया अनेक भीतर एक गौरवशाली भाषिक और सांस्कृतिक इतिहास समेटे हुए हैं। उनका शब्द-भंडार, उच्चारण, व्याकरण तथा लोकसाहित्य भारतीय भाषाओं की प्राचीन परंपरा से उनके गहरे संबंध का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। कभी सरस्वती के तट पर गूंजने वाली वैदिक वाणी की प्रतिध्वनि आज भी हरियाणा के खेतों, चौपालों, लोकगीतों और रागनियों में अनुभव की जा सकती है। यही कारण है कि हरियाणवी बोलियों को केवल क्षेत्रीय बोली मानकर सीमित कर देना उनके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्त्व का उचित मूल्यांकन नहीं होगा। वे भारतीय भाषिक विरासत की अमूल्य धरोहर हैं और हमारी सांस्कृतिक अस्मिता की सशक्त संरक्षक भी।

खबर संक्षेप

डाक विभाग ने दी आधार अपडेट की सुविधा

सिरसा। आधार कार्ड में समय-समय पर होने वाली आवश्यक अपडेट की सुविधा को आमजन तक आसानी से पहुंचाने के उद्देश्य से सिरसा डाक विभाग द्वारा शहर के साथ-साथ गांव-गांव में भी विशेष कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में रविवार को सिरसा के गांव भावदीन की डाक शाखा में डाक विभाग की ओर से आधार अपडेट कैंप लगाया गया। डाक अधीक्षक हिसार अनिल रोज के दिशा-निर्देश पर सिरसा के डाक प्रधान राममेहर यादव के सहयोग से डाक पर्यवेक्षक अशोक लुथरा की देखरेख में गौरव तनेजा ने अपनी टीम के साथ सब पोस्टमास्टर के सहयोग से ग्रामीणों के आधार कार्ड अपडेट करने का कार्य किया।

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में होगी विभिन्न प्रतियोगिताएं

सिरसा। डाइट डिंग में हिंदी दिवस के अवसर एवं हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रूचि, रचनात्मकता एवं अभिव्यक्ति कौशल को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। जिला हिंदी पखवाड़ा प्रभारी सूरज दुग्गल ने बताया कि विभिन्न कक्षा वर्गों में विद्यालय स्तर की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें कविता पाठ, चित्र देखकर कविता लेखन, दृश्य/घटना वर्णन, चित्र देखकर कहानी लेखन, भाषण प्रतियोगिता, व्याकरण आधारित प्रश्नोत्तरी एवं निबंध लेखन सहित विभिन्न गतिविधियां शामिल रही।

अंकित हत्याकांड में शामिल छठा आरोपी काबू

फतेहाबाद। अंकित हत्याकांड मामले में भूना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी कटन उर्फ कोना पुत्र सुखपाल, भूना के वार्ड नंबर 7 का निवासी है। इस बहुचर्चित हत्याकांड में पुलिस अब तक कुल 6 आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचा चुकी है। थाना भूना प्रभारी उपनिरीक्षक कंवर सिंह ने बताया कि प्रेम प्रसंग के चलते आरोपियों ने अंकित पर लाठी-डंडों और ईंटों से ताबड़तोड़ हमला कर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी थी। साक्ष्य मिलाते की नीयत से आरोपियों ने शव को भाखड़ा नहर में बहा दिया था। इस संबंध में भूना थाने में विभिन्न आपराधिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार, मामले में पांच आरोपियों को पहले ही काबू किया जा चुका था।

कैंसर पीड़िता महिला के लिए चलाई अनोखी मुहिम

चोपटा। शिव मंदिर धर्मशाला में पिछले कई दिनों से कैंसर पीड़िता महिला के लिए रविवार को विशेष मुहिम की शुरुआत की गई। जिससे महिला कैंसर का उपचार करवा सके। संत पूर्णदास महाराज, रघुबीर कड़वासरा, ओमप्रकाश सोनी, जयनारायण, राजेंद्र सिंह ने बताया कि चौपटा निवासी विधवा महिला पिछले कई महीनों से कैंसर से ग्रस्त है। जिसका जयपुर के अस्पताल में उपचार चल रहा है। महिला उपचार करवाने में अर्समथ है। इसी को लेकर विशेष मुहिम चलाने का फैसला मौजिज लोगों द्वारा लिया गया है। उन्होंने बताया कि कैंसर पीड़िता महिला की जो भी व्यक्ति सहयोग करना चाहता है।

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि में रक्तदान शिविर



बरवाला। राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 19वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे रक्तदान महाअभियान के तहत प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, बरवाला में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिविर में रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 40 यूनिट रक्तदान किया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की संचालिका बहान इंद्रा ने कहा कि रक्तदान महादान है। हमारे धर्म दिया गया वस्तु किसी जरूरतमंद को नई जिंदगी देने में सहायक बनता है।

गुरु द्रोणाचार्य कॉलेज में नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम

युवा नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा शिक्षा व खेलों में लगाएं

हरिभूमि न्यूज ►► भूना

भारत सरकार के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर गुरु द्रोणाचार्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन में नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर उन्हें स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. वीरेंद्र शर्मा ने किया। इस दौरान महाविद्यालय परिसर में शिकायत पेटिका स्थापित की गई। साथ ही विद्यार्थियों को नशे के खिलाफ जागरूक करने के लिए दीवारों पर प्रेरक स्लोगन लिखे गए। प्राचार्य डॉ. वीरेंद्र शर्मा ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं और उनके कंधों पर देश का भविष्य टिका है। नशे से दूर रहकर युवा अपनी ऊर्जा को शिक्षा, खेल और रचनात्मक गतिविधियों में लगाएं। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों का सेवन व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने के साथ परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को तंबाकू, शराब, नशीली दवाओं समेत अन्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक,



भूना। गुरु द्रोणाचार्य कॉलेज में लगाई शिकायत पेटिका।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डॉ. प्रदीप गौतम, महिमा सिंह, सुरेंद्र सिंह, आशा, मंजू, अनीता, मजनलाल, राजेश कुमार, रणधीर सिंह, सिकंदर सिंह और गुरजीत सिंह सहित स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

सामाजिक और आर्थिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। मादक दुरुपयोग एवं जागरूकता समिति के प्रभारी सतीश कुमार ने

नशे से बचाव के उपाय बताए और जरूरत पडने पर सहायता लेने के लिए प्रेरित किया।

सरकार की हठधर्मिता से बढ़ी जनता की परेशानी: केहरवाला

आपात परिस्थितियों में स्वच्छता व्यवस्था संभालने तक उनकी महत्वपूर्ण भूमिका

हरिभूमि न्यूज ►► सिरसा

विधायक शीशपाल केहरवाला ने कहा कि सफाई कर्मचारी पिछले काफी समय से अपनी जायज मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं का समाधान करने की बजाय हठधर्मिता पर अड़ी हुई है। बीती 6 अगस्त से सफाई कर्मचारियों की हड़ताल जारी है।

उन्होंने कहा कि इतने लंबे समय से सफाई व्यवस्था से जुड़े कर्मचारियों के काम से दूर रहने का सीधा असर आम जनता के स्वास्थ्य और शहरों की स्वच्छता व्यवस्था पर पड़ रहा है। जगह-जगह कूड़े के ढेर लग रहे हैं, गलियों और बाजारों में गंदगी बढ़ रही है तथा बरसात के मौसम में संक्रमण और बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। केहरवाला ने



सिरसा। हड़ताली सफाई कर्मचारियों को समर्थन देते विधायक शीशपाल केहरवाला।

कहा कि सफाई कर्मचारी कोई ऐसी मांग नहीं कर रहे, जिसे सरकार पूरा नहीं कर सकती। वे वहाँ से सफाई व्यवस्था की रीढ़ बने हुए हैं। शहरों और कस्बों को साफ रखने से लेकर कूड़ा उठाने, नालियों की सफाई और आपात परिस्थितियों में

स्वच्छता व्यवस्था संभालने तक उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके बावजूद यदि उन्हें अपनी मांगों के लिए लगातार धरना और हड़ताल करने को मजबूर होना पड़े तो यह सरकार की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

ब्राह्मण सभा की कार्यकारिणी भंग, नए सिरे से करवाए जाएं चुनाव: प्रो. दयानंद

■ संविधान के अनुच्छेद 50 के तहत 3/5 सदस्यों की उपस्थिति में लिया निर्णय

हरिभूमि न्यूज ►► सिरसा

ब्राह्मण सभा सिरसा की बैठक में सभा के संविधान अनुच्छेद 50 के अनुसार सभा के 3/5 सदस्यों की उपस्थिति में वर्तमान कार्यकारिणी को सभा के सभी सदस्यों की सहमति से भंग कर दिया गया है। मीटिंग में पूर्व अध्यक्ष एसएन पारीक, रामशेर शर्मा, अशोक दायाध्याय, मेघनाथ शर्मा, सुभाष बांय वाले, दलीप दाधिव मौजूद रहे। प्रो. दयानंद शर्मा ने मीडिया जानकारी से साझा करते हुए बताया कि सभा के पोर्टल पर 27 सदस्य रजि. हैं, जिनमें से 5 सदस्यों



सिरसा। प्रो. दयानंद शर्मा पत्रकारों से बात करते हुए।

सुशील शर्मा, बीडी शर्मा, जगदीश फौजी, जनकराज शर्मा व चुन्नीलाल उपाध्याय की मौत हो चुकी है, जबकि बिशंबर शर्मा अपना इस्तीफा दे चुके हैं, जबकि एक सदस्य राजिंद्र शर्मा, जोकि बाहर रहते हैं और कभी मीटिंग में आए ही नहीं हैं। दूसरी ओर अपने आप को प्रधान घोषित करने वाले अर्जुन शर्मा के पास मात्र 3 सदस्य ही हैं, जिससे मीटिंग का कोरम भी पूरा

नहीं होता। ऐसे में प्रधान पद के चयन को सीसायटी भी किस प्रकार हरी झंडी दे सकती है, यह सोचने वाला विषय है। प्रो. दयानंद ने कहा कि उनका उद्देश्य शुरू से ही समाज को एक मंच पर लाकर समाज के उत्थान का था, लेकिन कुछेक स्वार्थी लोग समाज को तोड़ने का काम कर रहे हैं, जिसे समाज भी भली भांति महसूस कर रहा है।

वेदर अपडेट सावन में तरसे, अब भादों में झमाझम बारिश के आसार

आज से करवट लेगा मौसम, 3 के बाद

मानसून दोबारा सक्रिय होने की उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ►► हिसार

सावन माह में अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हरियाणा के लोगों को अब भादों में राहत मिलने की उम्मीद जगी है। सावन में मानसून की बेरुखी के बाद अब भादव माह में मौसम करवट लेने जा रहा है और आने वाले दिनों में झमाझम बारिश के आसार बन रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार 31 अगस्त से प्रदेश में मानसून की गतिविधियां कुछ बढ़ सकती हैं, जबकि तीन सितंबर के बाद इसके और सक्रिय होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक मानसून टर्फ की अक्षीय रेखा अमृतसर, नजीबाबाद, हरदोई, सुल्तानपुर, डालटागंज और पूर्णिया से होती हुई उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी तक बनी हुई है। वहीं पाकिस्तान के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी बना हुआ है।

जानिए... क्या कहते हैं मौसम वैज्ञानिक

एचएयू के मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खींचड़ ने बताया कि 31 अगस्त की रात से दो सितंबर तक प्रदेश में मौसम परिवर्तनशील रहने के साथ बीच-बीच में बदलवाही होने की संभावना है। इस दौरान पश्चिमी जिलों में कहीं-कहीं हवाओं और गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश

हो सकती है। उत्तरी और दक्षिणी जिलों में भी कुछ स्थानों पर हल्की बारिश के आसार हैं। उन्होंने बताया कि तीन सितंबर के बाद मानसून की सक्रियता बढ़ सकती है, जिससे प्रदेश में बारिश का दायरा बढ़ने की उम्मीद है। ऐसे में भादों के शुरुआती दिनों में कई इलाकों में झमाझम बारिश देखने को मिल सकती है।

अधिकतम पारा गिरेगा, न्यूनतम में होगी बढ़ोतरी

मौसम में बदलाव के साथ दिन के तापमान में हल्की गिरावट, जबकि रात के तापमान में मामूली बढ़ोतरी होने की संभावना है। यानी आने वाले दिनों में दिन के समय गर्मी से कुछ राहत मिलेगी, लेकिन रात में उमस का असर बना रह सकता है। सावन में बारिश की कमी के बाद अब भादव में मानसून के मेहरबान होने की उम्मीद ने किसानों और आम लोगों को राहत की उम्मीद दी है। हालांकि फिलहाल बारिश डिस्ट्रिक्ट रहने का अनुमान है, लेकिन 3 सितंबर के बाद मानसून की सक्रियता बढ़ने पर प्रदेश के कई हिस्सों में अच्छी बारिश देखने को मिल सकती है।

रामदेवरा धाम के लिए

सीधी रोडवेज बस सेवा

शुरू करे सरकार: सांसद

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर सिरसा क्षेत्र से बीकानेर होते हुए रामदेवरा धाम (पोखरण, जैसलमेर) तक सीधी हरियाणा रोडवेज बस सेवा शुरू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सिरसा, फतेहाबाद, टोहना, हिसार और आसपास के क्षेत्रों से काफी संख्या में श्रद्धालु लोक देवता बाबा रामदेव के दर्शन के लिए रामदेवरा जाते हैं। सीधी बस सेवा नहीं होने से यात्रियों को रास्ते में कई बार बसें बदलनी पड़ती हैं, जिससे विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को परेशानी होती है। उन्होंने कहा कि रामदेवरा मेला बाबा रामदेव जी की स्मृति में आयोजित होने वाला प्रमुख धार्मिक आयोजन है और 12 सितंबर को रामदेव जयंती के मद्देनजर आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है। ऐसे में सरकार को श्रद्धालुओं की सुविधा और आस्था को ध्यान में रखते हुए समय रहते सीधी बस सेवा शुरू करनी चाहिए, ताकि उन्हें सुरक्षित और सुगम यात्रा की सुविधा मिल सके। सांसद ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि संबंधित विभाग को प्राथमिकता के आधार पर बीकानेर होते हुए रामदेवरा तक सीधी हरियाणा रोडवेज बस सेवा शुरू करने के निर्देश दिए जाएं। उन्होंने कहा कि यह सेवा श्रद्धालुओं के साथ-साथ इस मार्ग पर यात्रा करने वाले आम यात्रियों के लिए भी उपयोगी साबित होगी।

मन की बात जननागीदारी व राष्ट्र सेवा के संकल्प को सशक्त करने वाला प्रभावी माध्यम : बराला



टोहना। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने रविवार को अगवाल भवन टोहना में पार्टी के कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 137वें एपिसोड का सामूहिक रूप से श्रवण किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा देशवासियों के साथ साझा किए गए जनहितकारी विचारों, प्रेरक प्रसंगों एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े संदेशों को सभी कार्यकर्ताओं ने ध्यानपूर्वक सुना तथा उनके सामाजिक एवं राष्ट्रीय महत्व पर विस्तार से चर्चा की। बराला ने कहा कि मन की बात जननागीदारी, सकारात्मक संवाद और राष्ट्र सेवा के संकल्प को सशक्त करने वाला प्रभावी माध्यम बन चुका है। इससे न केवल ऐसे कार्यों को पहचान मिलती है, बल्कि आम नागरिकों को भी राष्ट्रहित में अपनी भूमिका निभाने की प्रेरणा मिलती है। सांसद सुभाष बराला ने 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान पर देश के युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग से सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया है।

मन की बात देश में हो रहे सकारात्मक बदलावों का प्रभावी माध्यम : प्रवीन जोड़ा



फतेहाबाद। जिला भाजपा कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक प्रसारण सुना गया। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीन जोड़ा के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना। इस दौरान स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण, राष्ट्रभक्ति, नशामुक्ति और भारतीय इतिहास से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के समापन पर जिलाध्यक्ष प्रवीन जोड़ा ने कहा कि 'मन की बात' देश के कोने-कोने में हो रहे प्रेरणादायक और सकारात्मक कार्यों को सामने लाने का एक सशक्त जरिया बन चुका है। प्रधानमंत्री समाज के हर वर्ग को सौंधे राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सरकार का काम नहीं, बल्कि हर नागरिक का सामूहिक दायित्व है। यदि हर व्यक्ति अपने आसपास सफाई का संकल्प ले, तो बड़ा सामाजिक बदलाव संभव है।

भाजपा जिला प्रभारी भारत भूषण जुयाल ने कार्यकर्ताओं में भरा नया जोश

■ सिरसा, रानियां व ऐलनाबाद में संगठनात्मक बैठकों में जमीनी स्थिति और आगामी रणनीति पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ►► सिरसा

भाजपा के सिरसा जिला प्रभारी भारत भूषण जुयाल ने सिरसा, रानियां व ऐलनाबाद विधानसभा क्षेत्रों में विशेष संगठनात्मक बैठकों के माध्यम से कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया और उनमें नवीन जोश का संचार किया। रानियां, ऐलनाबाद और सिरसा में हुई बैठकों में संगठन की जमीनी स्थिति, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय और आगामी रणनीति को लेकर विस्तार से मंथन किया गया। जुयाल ने कहा कि देश के सामने



सिरसा। बैठक को संबोधित करते भाजपा प्रभारी भारत भूषण जुयाल।

2047 तक भारत को विकसित व पूर्ण आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प है और इस संकल्प को केवल सरकार ही पूरा नहीं कर सकती बल्कि इसमें नागरिकों का भी संपूर्ण योगदान चाहिए। जुयाल ने कहा कि सभी नागरिकों को यह सोचना चाहिए कि देश के विकास में उसका कितना योगदान है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आपसी तालमेल, निरंतर संपर्क

और पूरी निष्ठा के साथ संगठन के लिए काम करने का आह्वान किया। बैठकों में संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के वर्तमान एवं पूर्व प्रदेश व जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, प्रभारी एवं पदाधिकारी, शक्ति केंद्र प्रमुख एवं पालक, बृथ अध्यक्ष, बीएलए-2, बृथ पालक तथा विभिन्न मोर्चों के प्रदेश, जिला एवं मंडल स्तर के पदाधिकारी मौजूद रहे।

सूखे की चपेट में आए किसानों को मुआवजा दे सरकार: दुष्यंत

हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम ने सिरसा के ऐलनाबाद हलके में ग्रामीणों को किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज ►► सिरसा

हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि सिरसा व फतेहाबाद में पर्याप्त मात्रा में नहरी पानी उपलब्ध न होने व कम बारिश के चलते धान उत्पादकों की स्थिति काफी दयनीय हो गई है, ऐसे में सरकार को उनकी सहायता के लिए हाथ बढ़ाना चाहिए और सूखे की चपेट में आए किसानों को पर्याप्त मात्रा में मुआवजा देना चाहिए। दुष्यंत चौटाला रविवार को सिरसा जिले के ऐलनाबाद हलके में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक ओर भाखड़ा ओवरफ्लो हो रहा है वहीं सिरसा व फतेहाबाद में नहरी पानी की खासी कमी महसूस की जा रही है।

दुष्यंत चौटाला ने हरियाणा में सफाई कर्मचारियों की



सिरसा। ग्रामीणों को संबोधित करते दुष्यंत चौटाला।

हड़ताल का हवाला देते हुए कहा कि सरकार को उनसे संवाद करना चाहिए और उनकी जायज मांगों को ममाना भी मुश्किल हो गया है। प्रत्येक गृहिणी की सोसई का बजट पूरी तरह से बिगड़ गया है और युवाओं को उचित रोजगार नहीं मिल रहा है जिससे युवा अपराध व नशे की गर्त में आ रहा है। पूर्व डिप्टी सीएम ने

इस अवसर पर जेजेपी के जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा, राधेश्याम शर्मा, हरिसिंह भारी, सर्वजीत मजनीता, रविंद्र बेनीवाल, शगनजीत सिंह कुरंगवाली, अनिल कासनियां, राजबीर रोड, अंजनी लदा, कृष्ण शाहपुरिया, अजब ओला, प्रवक्ता अमर सिंह जग्याणी, राजेंद्र सुथार, जयपाल नैन, नरेंद्र बराड, दीपक भाटिया सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद थे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जेजेपी के जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा, राधेश्याम शर्मा, हरिसिंह भारी, सर्वजीत मजनीता, रविंद्र बेनीवाल, शगनजीत सिंह कुरंगवाली, अनिल कासनियां, राजबीर रोड, अंजनी लदा, कृष्ण शाहपुरिया, अजब ओला, प्रवक्ता अमर सिंह जग्याणी, राजेंद्र सुथार, जयपाल नैन, नरेंद्र बराड, दीपक भाटिया सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद थे।

कहा कि देश की लोकतांत्रिक प्रणाली में सभी को अपनी बात रखने, प्रदर्शन का अधिकार है मगर मुख्यमंत्री व उनका पूरा कैबिनेट सदन में चर्चा से भाग रहा है। उन्होंने कहा कि केवल पिछले शासनकाल पर दोष मढ़ना मुख्यमंत्री की सफलता नहीं बल्कि विफलता है जिसे प्रदेशवासी स्वीकार नहीं कर रहे।

केस से नाम निकलवाने की एवज

में वसूली करने का आरोपी दबोचा

हिसार। झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने और पुलिस के नाम पर पैसे ऐंठने के मामले में आदमपुर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 14 हजार रुपये की नकदी और वारदात में इस्तेमाल मोबाइल फोन बरामद किया है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया,

जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार इस संबंध में चुली खुर्द निवासी अनुज ने शिकायत दी थी कि गांव का ही विक्रम उसे और उसके साथियों को झूठे केस में फंसाने तथा वीडियो रिकॉर्डिंग होने का डर दिखाकर ब्लैकमेल कर रहा था। आरोपी ने पहले भी झूठे मुकदमे से नाम

निकलवाने के नाम पर सवा लाख रुपये लिए थे और दोबारा दो लाख रुपये की मांग कर रहा था। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने प्रस्तुत पेनड्राइव और ऑडियो साक्ष्यों की जांच के बाद मामला दर्ज किया। जांच अधिकारी एएसआई दलबीर सिंह की टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी विक्रम सिंह को गिरफ्तार कर लिया।



न्यू ऑटो मार्केट में 32 बोर के देशी पिस्टल सहित एक युवक गिरफ्तार

हिसार। सीआईएफ मिलनेट टीम ने न्यू ऑटो मार्केट से एक युवक को अवैध पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 32 बोर का देशी पिस्टल बरामद किया है। पुलिस के अनुसार सीआईएफ मिलनेट की टीम एएसआई विक्रांत के नेतृत्व में न्यू ऑटो मार्केट के गेट नंबर-3 के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान गेट की तरफ से पेदल आ रहा एक युवक पुलिस टीम को देखकर अचानक वापस मुड़कर तेज कदमों से भागने लगा। शक होने पर पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे कुछ दूरों पर ही काबू कर लिया। पकड़ाख में आरोपी की पहचान तोशनल क्षेत्र के गांव खाबक निवासी सुमित कुमार के रूप में हुई। तलाशी लेने पर उससे 32 बोर का अवैध पिस्टल बरामद हुआ। पुलिस ने उस पर शहर थाना में आन्स एस्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

खबर संक्षेप

जन्माष्टमी पर श्याम मंदिर में आयोजन 4 को

सिरसा। नोहरिया बाजार स्थित प्राचीन श्री श्याम मंदिर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर 4 सितंबर को विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मंदिर परिसर को भव्य पुष्प सजा एवं आकर्षक लाइटिंग से सजाया जाएगा। वहीं श्री श्याम प्रभु का कोलकाता के फूलों से भव्य एवं अलौकिक श्रृंगार किया जाएगा। कार्यक्रम का शुुरुआत सुबह 5.15 बजे श्री श्याम प्रभात फेरी एवं मंदिर भवन की परिक्रमा से होगी। प्रभात फेरी मंदिर भवन से शुरू होकर शहर के मुख्य बाजारों से होते हुए वापस मंदिर परिसर पहुंचेंगी। इस दौरान गुणगानकर्ता हरिदासी वीणा सखी पावन शब्दों में श्री श्याम प्रभु का गुणगान करेंगी।

फतेहाबाद में हेरोइन के साथ महिला गिरफ्तार फतेहाबाद। हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की फतेहाबाद यूनिट ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गांव नाडोड़ी से एक महिला को 5.71 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार महिला अपने घर से हेरोइन बेचने का अवैध कारोबार करती थी और उस समय ग्राहकों की तलाश में निकली थी। पूछताछ में उसके पति की भी कथित तौर पर नशा तस्करी में संलिप्तता सामने आई है। मामले में पुलिस ने पति की भूमिका की जांच शुरू कर दी है। एनसीबी फतेहाबाद यूनिट प्रभारी उषा निरीक्षक तरसेम सिंह के अनुसार टीम एएसआई हेमराज के साथ भूना थाना क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि नाडोड़ी निवासी गुरमीत पत्नी नानक राय हेरोइन बेचती है और नशीला पदार्थ लेकर ग्राहकों की तलाश में है।

हेरोइन के मुख्य सप्लायर तरसेम को दबोचा फतेहाबाद। थाना सदर रतिया पुलिस ने हेरोइन तस्करी के मामले में बैकवर्ड लिंकेज खगालते हुए मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गया आरोपी तरसेम सिंह उर्फ सामी निवासी तमासपुरा है। इस मामले में पुलिस दो आरोपियों को पहले ही सलाखों के पीछे भेज चुकी है। थाना सदर रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक शीशपाल सिंह ने बताया कि पुलिस ने बीते दिनों मतासिंह उर्फ मंगा को बाइक सहित काबू कर उसके पास से 8.91 ग्राम हेरोइन बरामद की थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जब पकड़े गए आरोपी से कड़ाई से पूछताछ की, तो मुख्य सप्लायर के रूप में तरसेम सिंह उर्फ सामी का नाम सामने आया।

डोडा पोस्ट का सप्लायर चढ़ा रतिया पुलिस के हत्थे फतेहाबाद। थाना सदर रतिया पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई का दायरा बढ़ाते हुए 1 किलो 974 ग्राम डोडा पोस्ट बरामदगी के मामले में मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान संदीप कुमार निवासी भुयन खुर्द, खेत ढाणी के रूप में हुई है। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक शीशपाल सिंह ने बताया कि पुलिस ने हडौली रोड नहर पुल के पास से आरोपी प्राप्त सिंह निवासी तमासपुरा को प्लास्टिक के थैले में 1 किलो 974 ग्राम डोडा पोस्ट के साथ गिरफ्तार किया था। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी से पूछताछ की गई थी। साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने दबिश देकर संदीप को काबू कर लिया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि संदीप यह नशा कहाँ से लाता था और किन-किन लोगों को बेचता था।

परिवार पर हमले का दूसरा आरोपी सोनू गिरफ्तार फतेहाबाद। पुरानी कहाणुगी और पुलिस में शिकारवा देने की रंजिश को लेकर एक परिवार पर जानलेवा हमला करने के मामले में थाना शहर टोहाना पुलिस ने दूसरे आरोपी सोनू निवासी खरे मसणिया, उचाना को गिरफ्तार किया है। इससे पहले पुलिस मुख्य आरोपी राजेश निवासी बाबा बुटा बस्ती को गिरफ्तार कर वारदात में प्रयुक्त ईंट का टुकड़ा बरामद कर चुकी है। थाना प्रभारी निरीक्षक संदीप ने बताया कि 21 अगस्त की रात बाबा बुटा बस्ती निवासी पोला राम का गली में बाइक खड़ी करने को लेकर पड़ोसियों से विवाद हुआ था। आरोप है कि उसी रात करीब 11 बजे आरोपी राजेश अपने साथियों के साथ लाठी, धारदार हथियार और ईंट लेकर पोला राम के घर में घुस गया और रंजिश रखते हुए हमला कर दिया। हमले में शिकारवा करने के पिता के सिर पर गंभीर घाव लगने से वे बेहोश हो गए थे, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद हिसार के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फ़ोन : 9315429403, 9253681005

बिजली निजीकरण व स्मार्ट मीटरों के विरोध में फतेहाबाद में प्रदर्शन

विधायक को सौंपा मांग पत्र, जल्द समाधन न होने पर बड़े आंदोल की चेतावनी

■ विधानसभा के मानसून सत्र में मामला उठाने की मांग, निर्णय न वापस लेने पर आज पूरे जिले की उप-शाखाओं पर होगी विरोध बैठक

हरिभूमि न्यूज ►► फतेहाबाद

हरियाणा सरकार द्वारा बिजली कर्मचारियों एवं अभियंताओं की लंबित मांगों का समाधान न करने, अलग कृषि वितरण व्यवस्था लागू करने, गुरुग्राम और नूंह जिलों में निजी कंपनियों को समानांतर वितरण अधिकार देने, स्मार्ट मीटर योजना तथा बिजली विभाग के निजीकरण के विरोध में रविवार को फतेहाबाद में कर्मचारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं अभियंता संयुक्त संघर्ष मोर्चा के प्रतिनिधियों ने फतेहाबाद के विधायक बलवान सिंह को एक मांग पत्र सौंपा और आग्रह किया कि जनहित से जुड़े इस अति महत्वपूर्ण मुद्दे को राज्य विधानसभा के चालू मानसून सत्र में प्रमुखता से उठाया जाए। फतेहाबाद में यह मांग पत्र खुशींद इकाई अध्यक्ष, हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड यूनिन, अमित शर्मा इकाई अध्यक्ष, ऑल हरियाणा पावर कॉर्पोरेशन वर्कर यूनिन, आत्मा राम इकाई अध्यक्ष, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग समंचारी यूनिन तथा अभियंता अशोक कुमार अध्यक्ष, अभियंता



फतेहाबाद। प्रदर्शन कर विधायक को ज्ञापन सौंपते बिजली कर्मचारी तथा रतिया के विधायक जरनैल सिंह को ज्ञापन सौंपते हुए बिजली कर्मचारी।



फोटो: हरिभूमि

संघ की संयुक्त अध्यक्षता में विधायक को सौंपा गया। मांग पत्र सौंपने के दौरान मोर्चा के वरिष्ठ प्रतिनिधियों फकीर चंद सेनी और भूप सिंह भडोलावाली ने बताया कि राज्य विद्युत विनियामक आयोग के समक्ष इलेवन पावर प्राइवेट लिमिटेड नाम की निजी कंपनी ने समानांतर वितरण का अधिकार मांगा है। उन्होंने सवाल उठाया कि मात्र एक वर्ष पुरानी और केवल एक करोड़ रुपये की चुकता पूंजी वाली बिना किसी अनुभव की निजी कंपनी को लगभग 4,717 करोड़ रुपये के पूंजी निवेश का ठेका देने की सिफारिश की जा रही है। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि पूर्व में राज्य सरकार ने कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ हुई वार्ता में यह सच आश्वासन दिया था कि नूंह और गुरुग्राम में किसी भी निजी कंपनी को

जिम्मेदारी देने से पहले सभी हितधारकों और कर्मचारी संगठनों से परामर्श लिया जाएगा, परंतु सरकार अपने वादे से मुकरकर बिना किसी विचार-विमर्श के जल्दबाजी में एकतरफा फैसले ले रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि गुरुग्राम जिला सरकारी बिजली वितरण निगम के कुल राजस्व का लगभग चालीस प्रतिशत योगदान देता है। निजी कंपनियों केवल अधिक मुनाफा देने वाले औद्योगिक क्षेत्रों, बड़े व्यावसायिक परिसरों और बहुमंजिला आवासीय सोसायटियों को ही बिजली बेचेंगी। इसे नियमों के विरुद्ध चुनौती क्षेत्रों का चयन करना कहा जाता है। यदि अधिक राजस्व देने वाले बड़े ग्राहक निजी हाथों में चले गए तो सरकारी बिजली निगम का ढांचा पूरी तरह टूट जाएगा।

रतिया में बिजली कर्मियों ने विधायक जरनैल सिंह को ज्ञापन सौंपा

रतिया। सरकार द्वारा बिजली निजीकरण की प्रक्रिया को तेज करने के विरोध में हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर्स संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर रविवार को बिजली कर्मियों ने रतिया के विधायक जरनैल सिंह को ज्ञापन सौंपा। विधायक से मांग की कि वे मौजूदा विधानसभा सत्र में सरकार की निजीकरण प्रणाली के खिलाफ जमकर आवाज उठाएं और बिजली निगम को बचाने का प्रयास करें। विधायक को ज्ञापन देते हुए संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारी मलकांत सिंह, विजेन्द्र सिंह व दीपक कुमार ने सरकार पर विश्वासघात का आरोप लगाते हुए बताया कि पिछले दिनों जब बिजली मंत्री अनिल विज से संयुक्त मोर्चा की बैठक हुई थी तो उन्होंने विश्वास दिलाया था कि निजी कम्पनी को पैरलल लाइसेंस देने का सरकार के पास अभी कोई प्रस्ताव नहीं है और फिर भी कुछ हुआ तो तो सभी हितधारकों को अपनी आपत्तियां दर्ज करवाने व बात रखने का मौका दिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा बिजली नियामक आयोग की कमेटी की रिपोर्ट बिना सार्वजनिक किए सरकार को सौंप दी गई है, जिससे सरकार की नीयत में खोट नजर आ रही है। उन्होंने विधायक से मांग की वे इस विधानसभा के पटल पर इस संवेदनशील मुद्दे को जोर-शोर से रखें ताकि सत्ता पक्ष व विपक्ष इस पर खुलकर चर्चा कर सकें। इस अवसर पर गुरप्रीत सिंह, मनोज काभरा, अवतार सिंह, सर्वजीत सिंह, शेखनाथ, प्रेम शर्मा, सोनू, कर्तार सिंह, गोविंद, जगतार सिंह व अन्य बिजलीकर्म भी उपस्थित थे।

सिरसा में भ्रष्टाचार व अव्यवस्था का बोलबाला: संजय

हरिभूमि न्यूज ►► सिरसा

जिला कष्ट निवारण समिति के पूर्व सदस्य संजय शर्मा ने कहा कि सिरसा शहर में भ्रष्टाचार व अव्यवस्था का बोलबाला है जिसके चलते तमाम शहरवासी खासे परेशान हैं। संजय शर्मा ने रविवार को जारी एक प्रेस बयान में कहा कि पूरे शहर में बाजारों, गलियों व चौक-चौराहों को उखाड़ दिया गया है। बरसाती पानी निकासी की लाइन डालने के लिए प्रमुख बाजारों को खोदकर छोड़ दिया गया है और शासन प्रशासन इस दिशा में उदासीन हैं। संजय शर्मा ने कहा कि सिरसा नगरपरिषद की इस समय

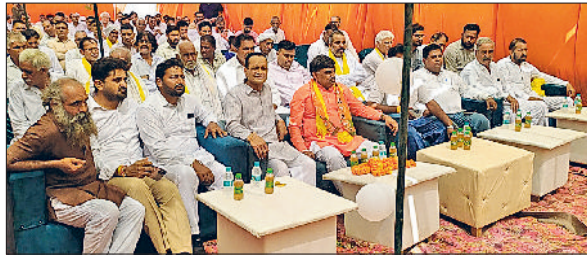
■ आरोप.गलियों की खुदाई से जो पुरानी ईंटें निकलती है, उन्हें खुद बुर्द किया जा रहा

जवाबदेही बनती है। शहर में जहां भी अच्छी हालत में कोई गली या सड़क दिखाई देती है, उसे तोड़ा जा रहा है। यह सब भ्रष्टाचार का ही एक हिस्सा है। एक साल पहले शहर के कई बाजारों में बरसाती पानी निकासी की पाइप लाइन डालने के लिए खुदाई की गई थी। वह काम आज तक अधूरा पड़ा है। ज बारिश में स्थानीय लोगों व दुकानदारों को कितनी परेशानी झेलनी पड़ी, यह सब जानते हैं। उन्होंने कहा कि शहर

में गलियों व सड़कों को तोड़ने की होड़ लगी हुई है। उन्होंने आरोप जड़ा कि गलियों की खुदाई से जो पुरानी ईंटें निकलती है, उन्हें खुद बुर्द किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि सरकार व अधिकारी दावा कर रहे हैं कि सिरसा में विकास के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए गए हैं। यदि करोड़ों रुपए खर्च हुए हैं तो वह कहाँ लगाए गए हैं? जनता को विकास धरातल पर दिखाई क्यों नहीं दे रहा? उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से हालात और बिगड़ गए हैं। जब सरकार ने सफाई कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने का वादा किया था, तो अब मुकरना गलत है।

हरिभूमि न्यूज ►► डिंग

हरियाणा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सैन रविवार को डिंग मंडी स्थित डीएवी स्कूल के सचिव बलवंत भाटिया के निवास पर पहुंचे। इस दौरान कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का लाइव प्रसारण ग्रामीणों को दिखाया गया। कार्यक्रम में मेहनत और संघर्ष के दम पर मुकाम हासिल करने वाली महिलाओं तथा विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल करने वाले युवाओं की प्रेरणादायक कहानियां साझा की गईं। साथ ही आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का संदेश दिया



सिरसा। डिंग में 'मन की बात' कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखते ओबीसी मार्च के प्रदेश अध्यक्ष व ग्रामीण।

फोटो: हरिभूमि

गया। इस दौरान सुनील सैन ने ग्रामीणों और ओबीसी समाज के लोगों से सीधा संवाद किया। उन्होंने केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि वर्ष 2014 से पहले नौकरियों में सिफारिश और पच्ची-

खर्ची की चर्चाएं आम थीं, लेकिन अब भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता आई है। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार में गरीब परिवारों के युवाओं को भी बिना पच्ची और खर्ची के नौकरी पाने का अवसर मिल रहा है।

ये रहे मौजूद
मौके पर राम भगत भाटिया, प्रेम भाटिया, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि सुभाष खलेरी, समाजसेवी जिंदल स्वामी, मौवीवाली सरपंच प्रतिनिधि कुलदीप मोयल, सतपाल गोस्वामी, रामदत्त पुनिया, हनुमान जंगड़ा, प्रभु जंगड़ा, सुभाष नंबरदार, रोहतास स्वामी, आनंद जाखड़ सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सुनैना चौटाला की मौजूदगी में दर्जनों अधिवक्ताओं ने थामा इनेलो का दामन

हरिभूमि न्यूज ►► फतेहाबाद

इंडियन नेशनल लोकदल के कुनबे में रविवार को उस समय बड़ा राजनीतिक इजाफा हुआ जब विभिन्न राजनीतिक दलों को छोड़कर दर्जनों अधिवक्ताओं ने पार्टी की नीतियों में आस्था जताते हुए इनेलो का दामन थाम लिया। इनैलो की महिला प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला रविवार को इनेलो प्रदेश लीगल सेल के उपाध्यक्ष एडवोकेट अनिल सक्सेना के पुरानी तहसील चौक स्थित निवास स्थान पर पहुंची थीं। यहां पहुंचने पर कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय वकीलों ने उनका फूल-मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शहर के प्रमुख अधिवक्ताओं ने अन्य दलों से अपना नाता तोड़कर इनेलो में



फतेहाबाद। पार्टी में शामिल होने वालों का स्वागत करते इनेलो महिला प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला।

फोटो: हरिभूमि

शामिल होने की घोषणा की। सुनैना अधिवक्ता, इनेलो की जनहितैषी नीतियों से प्रभावित होकर पार्टी से जुड़ रहे हैं। प्रदेश की जनता मौजूदा सरकार की जनविरोधी नीतियों से तंग आ चुकी है और भविष्य के बदलाव के लिए इनेलो की तरफ उम्मीद भरी नजरों से देख रही है।

विशेषकर कानून के रक्षक अधिवक्ता, इनेलो की जनहितैषी नीतियों से प्रभावित होकर पार्टी से जुड़ रहे हैं। प्रदेश की जनता मौजूदा सरकार की जनविरोधी नीतियों से तंग आ चुकी है और भविष्य के बदलाव के लिए इनेलो की तरफ उम्मीद भरी नजरों से देख रही है।

विभिन्न क्षेत्रों में अक्ल रहे मेधावी प्रतिभाओं को किया पुरस्कृत

नवनियुक्त चेयरमैन का अभिनंदन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह

हरिभूमि न्यूज ►► सिरसा

सैनी सभा ट्रस्ट सिरसा की ओर से नवनियुक्त चेयरमैन अभिनंदन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि हरियाणा के सूचना आयुक्त कर्मवीर सैनी, हरियाणा भूमि सुधार एवं विकास निगम चेयरमैन गुरनाम सैनी व वन विकास निगम के चेयरमैन रवि सैनी शामिल हुए। सूचना आयुक्त कर्मवीर सैनी ने कहा कि समाज के बुद्धिजीवी लोग समाज के उत्थान के लिए आगे आएँ और सरकार सभी वर्गों को साथ लेकर काम कर रही है, इसलिए प्रयास रहेगा के समाज के उत्थान के लिए सरकार की ओर से जो भी सहयोग होगा, करवाया जाएगा।



हरियाणा भूमि सुधार एवं विकास निगम चेयरमैन गुरनाम सैनी ने विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया और समाज के

यथासंभव सहयोग के लिए कृतज्ञ रहने को आश्चस्त किया। वन विकास निगम लिमिटेड के चेयरमैन रवि सैनी ने वन विभाग की

सिरसा। मेधावी प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए तथा उपस्थितजनों।

■ अधिक से अधिक पौधारोपण के लिए प्रेरित किया

सरकारी योजनाओं तथा अधिक से अधिक पौधारोपण के लिए प्रेरित किया, ताकि पर्यावरण को संरक्षित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार पर्यावरण संरक्षण को लेकर काफी संजीदा है और इस दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। तत्पश्चात विभिन्न क्षेत्रों में अव्वल रहने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों ने स्मृति चिह्न व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपना एक लक्ष्य निर्धारित करें और मेहनत व लगन से उस लक्ष्य को प्राप्त करते हुए अभिभावकों व समाज का नाम रोशन करें। अंत में अतिथियों द्वारा समाज के सभी महानुभावों को पौधे भेंट कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलवाया गया।



सिरसा। विधायक भरत सिंह को ज्ञापन सौंपते हुए बिजली कर्मचारी।

बिजली कर्मियों ने विधायकों को सौंपा मांगों का ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ►► सिरसा

हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर संयुक्त सांझा संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर बिजली कर्मचारियों ने रविवार को सरकार की वायदाखिलाफी के खिलाफ जिले के विधायकों को ज्ञापन सौंपकर समानांतर विद्युत लाइसेंस रद्द करने की मांग उठाई। बिजली कर्मचारी सिरसा सर्कल ऑफिस में एकत्रित हुए। इसके बाद ऐलानाबाद विधायक भरत सिंह बेनीवाल तथा डबवाली विधायक आदित्य चौटाला, कालांवाली विधायक शीशपाल केहरवाला को ज्ञापन सौंपकर समानांतर विद्युत लाइसेंस को रद्द करवाने की मांग रखी गई। इसके अलावा सिरसा विधायक गोकुल सेतिया तथा रानियां विधायक अर्जुन चौटाला को व्हाट्सऐप के माध्यम से ज्ञापन भेजा गया तथा सरकार पर उक्त मुद्दे पर अपने वायदे पर कायम रहने का दबाव बनाने की मांग की गई। राज्य प्रेस प्रवक्ता श्यामलाल खोड्डा ने कहा कि 10 अगस्त को बिजली मंत्री अनिल विज के साथ

हुई बैठक में सहमति बनी थी कि पैरलल विद्युत लाइसेंस के मुद्दे पर सरकार अपना स्पष्ट रुख रखेगी तथा किसी भी कीमत पर पैरलल लाइसेंस नहीं दिए जाएंगे। इसके बावजूद सरकार यदि अपने वादे से पीछे हटती है तो यह बिजली कर्मचारियों के साथ वायदा खिलाफी होगी, जिसे किसी भी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा। सर्कल सचिव सतिंद्र मोंगा व मीत सिंह ने कहा कि बिजली निगम को निजी हाथों में सौंपने तथा समानांतर विद्युत लाइसेंस देने के किसी भी प्रयास का कर्मचारी पुर्णतः विरोध करेंगे। कर्मचारियों की लंबित मांगों और सरकार की वायदा खिलाफी के खिलाफ संघर्ष को आगे भी मजबूती से जारी रखा जाएगा। इस अवसर पर राज्य प्रेस प्रवक्ता श्यामलाल खोड्डा, सर्कल सचिव सतिंद्र मोंगा, मीत सिंह, राजभिर शर्मा, सुरेश मंगल, सतबीर, राकेश, चरण सिंह, सुंदर, खूशीराम, नरेश कुमार, आमप्रकाश, राजेश, देवीलाल, फौजि सहित साझा मोर्चे के अनेक कर्मचारी मौजूद रहे।

डिंग मंडी पहुंचे ओबीसी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष सुनील सैन

ये रहे मौजूद

मौके पर राम भगत भाटिया, प्रेम भाटिया, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि सुभाष खलेरी, समाजसेवी जिंदल स्वामी, मौवीवाली सरपंच प्रतिनिधि कुलदीप मोयल, सतपाल गोस्वामी, रामदत्त पुनिया, हनुमान जंगड़ा, प्रभु जंगड़ा, सुभाष नंबरदार, रोहतास स्वामी, आनंद जाखड़ सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।



रतिया। खालसा महाविद्यालय में अपना वोट बनवाने की प्रक्रिया करवाते हुए विद्यार्थी।

खालसा कॉलेज में नए वोट बनवाने के लिए विशेष कैप लगाया

रतिया। खालसा त्रिशताब्दी राजकीय महाविद्यालय रतिया में उन विद्यार्थियों के नये वोट बनवाने हेतु विशेष कैप्स का आयोजन किया गया जिनकी उम्र एक जुलाई 2026 तक 18 वर्ष पूरी हो चुकी है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य डॉ विरेंद कुमार ने की। महाविद्यालय में चुनौती साक्षरता वल्लभ के प्रभारी प्रो. कृष्ण लाल ने बताया कि सामान्य मतदाता- देश के भीतर रहने वाला 18 वर्ष की आयु का कोई भी भारतीय नागरिक, सामान्य मतदाता के रूप में अपना नाम दर्ज करवाकर मतदान कर सकता है। इस लोकतांत्रिक प्रणाली में समाज व शासन की स्थापना के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक वयस्क नागरिक को बिना किसी भेदभाव के अपने मत के अधिकार का प्रयोग करना चाहिए। जिस देश में जितने अधिक नागरिकों को मताधिकार प्राप्त होगा है, उस देश की जनता की उतनी अधिक जनतांत्रिक भागीदारी होगी। इसलिए जिन विद्यार्थियों की आयु एक जुलाई तक 18 वर्ष या इससे अधिक है और अभी तक अपना वोट नहीं बनवाया है वो विद्यार्थी मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करवाकर अपने मत का उपयोग कर सकते हैं।

रुणिया धाम में भंडारा 10 सितंबर से

चोपटा। शिव मंदिर धर्मशाला नाथ्यसुरी चोपटा में पैतालिका धर्मशाला रुणिया धाम में 10 सितंबर से लगने वाले भंडारे को लेकर बाबा रामदेव सदन के सदस्यों की बैठक समिति प्रधान देशबंधु बैनीवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में भंडारा समिति का गठन किया गया और भंडारे की व्यवस्थाओं को लेकर विचार विमर्श किया। विनोद कासनियां को भंडारा समिति प्रधान नियुक्त किया गया। वहीं भंडारा समिति सदस्यों की प्रधान शिल्पा महंत को नियुक्त किया। समिति सचिव राहुल बाबल ने बताया कि रुणिया धाम स्थित पैतालिका धर्मशाला में हर साल भंडारा लगाया जाता है। इसी कड़ी में इस बार 10 सितंबर 2026 से भंडारा शुरू किया जाएगा। बैठक में देशबंधु बैनीवाल धर्मशाला समिति प्रधान, सचिव राहुल बाबल, प्रदीप बैनीवाल, कृष्ण सहारण, गिहाल सिंह आदि रहे।